पाठ 9

एक प्रसन्न घर कैसे हो

इस अध्याय में आप अध्ययन करेंगे

अपने परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना और काम कीजिए

घर में एक अच्छा मसीही होइये ·

अपनी गल्तियों के लिए क्षमा मांगिये

प्रसन्न रहिये

विवाह को पवित्र रखिए

एक मसीही से विवाह कीजिये

अच्छे माता-पिता बनिए

अपने बच्चों को परमेश्वर से प्रेम रखना सिखाइए !

अपने परिवार से प्रेम रखिए

इस संसार में एक सच्चा मसीही परिवार पाने से बढ़ कर और कोई बड़ी आशीष नहीं है। इस घर में मसीह सिर है। उसकी उपस्थिति इसको आनन्द, शान्ति और प्रेम से भर देती है। मसीही घर पाप के

तूफान और आस-पास की सभी कठिनाइयों (विपदाओं) से छिपने का स्थान है। आप अपने घर को "एक छोटा सा स्वर्ग" जैसा परमेश्वर अपने वचन में कहता है यदि वैसा करें तो आप इसको बना सकते हैं।

आप का काम

1. आपका घर "एक छोटा सा स्वर्ग" इस पृथ्वी पर बन सकता है यदि आप

.....अ) इसे संवारने के लिये बहुत धन रखते हों

.....ब) इसमें आकर मिलने के लिये बहुत से मित्र रखते हों।

.....स) परमेश्वर के वचन की शिक्षाओं का पालन करें।

उत्तर : 1. स) परमेश्वर के वचन की शिक्षाओं का पालन करें।

अपने परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना और काम कीजिए

आप विश्वास में प्रार्थना कर सकते हैं यह जानते हुए कि यह परमेश्वर की इच्छा है। यदि आप का परिवार तुरन्त नहीं बच जाता तो हताश न हों।

निरन्तर प्रार्थना करते रहिए यह जानते हुए कि परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देगा।

प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा। **प्रेरितों के काम 16:31.**

आप का काम

2. यदि आपके परिवार के दूसरे सदस्य तुरन्त नहीं परिवर्तित हुए तो आप को चाहिए

.....अ) उनके लिए निरन्तर प्रार्थना करते रहें।

.....ब) उनके लिये प्रार्थना करना बन्द कर दें।

.....स) ऐसा सोच लें कि परमेश्वर उन्हें नहीं बचाएगा।

3. आप अपने निकट परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए अब प्रार्थना कीजिए। प्रत्येक दिन उनके लिए प्रार्थना करने की आदत डालिये।

उत्तर : 2. अ) उनके लिए निरन्तर प्रार्थना करते रहें।

घर में एक अच्छा मसीही होइये

कलीसिया में एक अच्छे मसीही की तरह आचारण करना आसान है परन्तु घर पर आप किस प्रकार के मसीही हैं?

आप का काम

4. कुलुस्सियों 3 को पढ़ कर सोचिए कि घर पर आप इन शिक्षाओं के साथ कैसे नाप सकते हैं।

क्या आप अपनी पत्नी या पति के काम का मान करते हैं? अपने बच्चों की सहायता, या भाइयों और बहिनों की सहायता के लिए क्या आप एहसास करते हैं? उन त्यागों के लिए जो आप के माता-पिता ने आप के लिए किए हैं?

क्या आप प्रेम करने वाले हैं या स्वार्थी हैं? क्या आप कष्ट और झुंझलाहट महसूस करने वाले या धैर्य धरने वाले और क्षमा करने वाले हैं? क्या आप ढीठ हैं, या दूसरों के विचारों (सुझावों) को सुनते हैं? क्या आप अपने माता-पिता के प्रति सम्मानपूर्वक और आज्ञाकारी हैं? या अपनी इच्छा के अनुसार चलने वाले और अनाज्ञाकारी है ?

क्या आप सहायक और दयावान हैं? या सुस्त है? क्या आप बिना आलोचना और शिकायत किए दूसरों के साथ खुशी से मिलवर्तन करते हैं? क्या आप आसानी से हताश हो जाते हैं, या आप उस समय जब सब कुछ ठीक नहीं होता तो भी प्रसन्नचित्त रहते हैं? क्या दूसरे लोग आप के साथ रहना आसान महसूस करते हैं?

आप का कांम

5. यदि आप एक प्रसन्न घर चाहते हैं तो आप अपनी असफलताओं को नम्रता से स्वीकार (अंगीकार) कर लें, और प्रभु से उनके ऊपर विजय पाने के लिए सहायता मांगे। यदि आप अपना भाग पूरा करने के लिए तैयार हैं तो प्रभु आपकी सहायता करेगा।

अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगिए

यीशु ने हमें उनसे क्षमा मांगने को कहा है जिनके हमने कुछ हानि पहुंचाई हो। यदि हम ऐसा करने को तैयार नहीं हैं तो, इससे आपके और परमेश्वर के बीच संगति में एक बाधा पैदा होगी।

> इसलिए यदि तू अपनी भेंट वेदी पर लाए और वहां तू स्मरण करे, कि मेरे भाई के मन में मेरी ओर से कुछ विरोध है, तो अपनी भेंट वहीं वेदी पर के सामने छोड़ दे। और जाकर पहिले अपने भाई से मेल मिलाप कर; तब आकर अपनी भेंट चढ़ा। **मत्ती 5:23,24।**

"मुझे क्षमा कीजिये मैंने आप से कुछ कर्कश (गुस्से में) बोला" यह कहना कुछ आसान नहीं है। "कृपया मुझे क्षमा कीजिये", ऐसा कहना एक अच्छा ढंग है सख्ती की भावनाओं से छुटकारा पाने और अपने घर को प्रसन्न रखने का। क्या आपका एक बुरा स्वभाव है? अपने दोष को स्वीकार करना और अपने प्रियजनों को प्रार्थना के लिए कहना आप के लिए इसके ऊपर विजय प्राप्ति का एक लम्बा कदम है।

> इसलिए तुम आपस में एक दूसरे के सामने अपने-अपने पापों को मान लो, और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो, जिससे तुम चंगे हो जाओ। **याकूब 5:16.**

आप का काम

6. आपका घर प्रसन्न होगा यदि आप

.....अ) जब आपने अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ अदयनीय भाव से व्यवहार किया हो तो क्षमा मांगिए।

.....ब) प्रत्येक को आप से क्षमा मांगने दीजिए।

.....स) प्रत्येक को दर्शाइये कि आप मालिक हैं और वे आप से डरें।

7. स्मरण कीजिए याकूब 5:16.

उत्तर : 6. अ) जब आपने अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ अदयनीय भाव से व्यवहार किया हो तो क्षमा मांगिए।

प्रसन्न रहिए

परमेश्वर में विश्वास रखिए और उसको आप की प्रार्थनाओं के उत्तर के लिए धन्यवाद दीजिए यहां तक कि चाहे सब कुछ अन्धकारमय दिखाई दे।

यहोवा के आनन्द तुम्हारा दृढ़ गढ़ है। **नहेमायाह 8:10।**

यदि आपके क्रोध को नियन्त्रण में करने में कठिनाई हो या कोई और बात आपके चरित्र में हो जिससे सहमति न की जा सकती है तो इससे आप हताश न हों। आप इस पर विजय पाने के लिए प्रयत्नशील हैं यह आप प्रभु के लिए प्रेम की साक्षी है। वह आपको आध्यात्मिक रूप से बढ़ने में सहायता कर रहा है। क्या आपकी

बढ़ोत्तरी बहुत धीमी लगती है? प्रभु की ओर अधिक और अपनी ओर कम देखिए तो आप अचम्भित हो जाएंगे कि किस रीति से वह आप के घर में समस्याओं का सामाधान करेगा। परमेश्वर आप का प्रेमी पिता है जो आप की चिन्ता करता है।

आपका काम	
8. स्मरण कीजिए नहेमायाह 8:10.	

विवाह को पवित्र रखिए

कुछ समाजों में बहुत से जोडें बिना विवाह किए एक साथ रहते हैं। जब एक व्यक्ति एक मसीही बन जाता है वह अपनी विवाह (शादी) को वैध बनाता है। इस तरह से समाज में उसकी साक्षी बेहतर हो जाती है, वह देश के सुरक्षा के कानून से अपने परिवार की रक्षा करता है, और वह मसीह का सम्मान करता है। यदि आप को आवश्यक वैध कागज पत्रों की आवश्यकता हो तो इस के बारे में अपने पास्तर से बातचीत कीजिए। वह आपकी जिस तरह से भी हो सकता हो सहायता करने में प्रसन्न होगा।

विवाह से बाहर किसी भी प्रकार के लिंग सम्बन्धों के बारे में परमेश्वर का वचन बड़ी दृढ़ता के साथ विरोध करता है। विवाह के किसी भी साझेदार के द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम कलाप करना वह इस का कडाई से विरोध करता है।

मसीही घर की महान आशीषों में एक आशीष यह तथ्य है कि पति और पत्नी एक दूसरे पर भरोसा रख सकते हैं जब वे जानते हैं

कि एक दूसरे के लिए वे विचार शब्द और कार्य में विश्वासयोग्य हैं। ज्यों ही वे मिलकर प्रभु की सेवा करते हैं, तो यह एक छोटा सा स्वर्ग बन जाता है, जो कि धोखे, सन्देह, ईर्ष्या और उस अविश्वास से जो कि बहुत से घरों को नष्ट कर देता है मुक्त हो।

विवाह सब में आदर की बात समझी जाए। **इब्रानियों 13:4.**

जो बातें सब लोगों के निकट भली हैं, उनकी चिन्ता किया करो ... अन्य जातियों में तुम्हारा चालचलन भला हो; इसलिए कि जिन-जिन बातों में वे तुम्हें कुकर्मी जानकर बदनाम करते हैं, वे तुम्हारे भले कामों को देख कर; उन्ही के कारण कृपा दृष्टि के दिन परमेश्वर की महिमा करें। **रोमियों 12:17; 1 पतरस 2:12.**

आप का काम

9. अच्छी साक्षी और अपने घर पर परमेश्वर की आशीषों का आनन्द उठाने के लिए, आपको चाहिए

.....अ) पति और पत्नी के रूप में एक साथ रहने से पूर्व वैध रूप से विवाहित हो जाइये।

.....ब) अपने विवाह से पूर्व अपनी प्रेमिका के साथ रहिए और इससे निश्चय कर लीजिए कि आप एक दूसरे के लिए योग्य हैं कि नहीं।

.....स) कुंवारा रहिए।

10. आप के विवाह पर परमेश्वर की आशीषों के लिये प्रार्थना कीजिये, कि उसका प्रेम आप के एक दूसरे के लिये प्रेम को दृढ़ करेगा। प्रार्थना करें कि आप सदैव एक दूसरे के प्रति शब्द, विचार, और क्रिया में सच रहेंगे। आप परमेश्वर से एक दूसरे पर भरोसा रखने के लिये सहायता मांगिए।

उत्तर : 9. अ) पति और पत्नी के रूप में एक साथ रहने से पूर्व वैध रूप से विवाहित हो जाइये।

एक मसीही से विवाह कीजिये

यह तो सच है, यदि आप किसी के साथ पूर्व ही विवाहित हैं जो कि एक सच्चा मसीही नहीं है, आप का कर्त्तव्य है कि आप उसके लिये प्रार्थना करें और उसे मसीह के पास जीतने का प्रयत्न करें। आप को एक विश्वासयोग्य पत्नी या एक विश्वासयोग्य पति होना है और अपने घर में अपनी ज्योति परमेश्वर के लिए चमकने दें। परन्तु यदि आप अभी तक कुंवारे हैं और विवाह करने को हैं, तो निश्चित कर लें कि एक मसीही से विवाह करें। यदि एक ढंग है कि आप अपने पारिवारिक जीवन में सच्ची एकता और शान्ति पा सकते हैं।

यदि आप किसी भिन्न धर्म के साथी से विवाह करेंगे तो हर समय समस्यायें रहेंगी। बच्चों की धार्मिक शिक्षा के लिए आप किस प्रकार सहमत को सकते हैं? आप उनको प्रभु की सेवा करने के लिये कैसे बढ़ा सकते हैं?

आप न मसीह को अपने जीवन का स्वामी कर के स्वीकार (अंगीकार) किया है। यदि आप का पति या पत्नी उसकी सेवा करना नहीं चाहते, तो आप अपने आप को विपरीत दिशाओं में जाते हुए पाएंगे। आप हर समय दो चीज़ों के बीच में अपने आप को खींचता हुआ पाएंगे : प्रत्येक बात में मसीह को प्रसन्न करने की इच्छा और अपने साथी को प्रसन्न करने की इच्छा।

मसीह होने के नाते आप परमेश्वर को प्रसन्न करना चाहते हैं। आप उसके लिये लाभकारी होना चाहते हैं, कलीसिया की सभाओं में जाना चाहते हैं, अन्य मसीहियों की संगति से आनन्द उठाना चाहते हैं, और कलीसिया के काम में भाग लेना चाहते हैं। आप घर पर पारिवारिक प्रार्थना रखना चाहेंगे, एक साथ मिल कर परिवार के रूप में परमेश्वर को स्तुति करना और उसकी सेवा करना चाहेंगे।

न बचे हुए पति या पत्नी इनमें से किसी भी काम में रुचि नहीं रखते। कलीसिया की सभायें सम्भवतः उसे ऊबा देती हैं। यदि वह आप के साथ कलीसिया में जाए, वह महसूस करता है कि आप को उसके साथ उन दिलबहलाव के स्थानों को चलना चाहिए जो कि एक मसीही के लिये अच्छे नहीं होते। अन्यथा वह अपने मार्ग पर जाए और आप अपने मार्ग पर, अपने घर को अप्रसन्न बनाते हुए। इससे भी बुरी बात तो यह है कि बहुत सारे मसीहियों ने अपने अपरिवर्तित जीवन साथी को ऐसा करने दिया है कि वह उन्हें प्रभु से दूर कर दे।

परमेश्वर चाहता है कि आप का एक प्रसन्न घर हो। वह आप को उस फन्दे में गिरने देना नहीं चाहता जो कि शैतान कई मसीहियों के ऊपर फेंकता है। परमेश्वर निश्चय ही आप को एक अविश्वासी के साथ विवाह करने के विरुद्ध चेतावनी देता है।

अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अंधकार की क्या संगति? **2 कुरिन्थियों 6:14**

आप का काम

11. एक मसीही के लिये अपरिवर्तित व्यक्ति से विवाह करना है

.....अ) उसको प्रभु के लिये जीतने का एक अच्छा तरीका है।

.....ब) यदि वे एक दूसरे से प्रेम करते हैं, तो ठीक है।

.....स) प्रभु की आज्ञा के विरुद्ध अनाज्ञाकारिता है।

उत्तर : 11. स) प्रभु की आज्ञा के विरुद्ध अनाज्ञाकारिता है।

एक अच्छे माता-पिता बनिए

माता-पिता अपने बच्चों की ठीक देख भाल करने के लिये परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी है। पिता को घर का सिर, होने के नाते उसके परिवार की पदार्थीय वस्तुओं को जुटाने की तथा आध्यात्मिक बातें की पूर्ति करना है। माता को भी चाहिए कि वह अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक देखभाल करें जिसकी उन्हें आवश्यकता है। कलीसिया की जिम्मेदारियां माता-पिता को उनकी पारिवारिक जिम्मादारियों से मुक्त नहीं कर देती।

पर यदि कोई अपनों की और निज करके अपने घराने की चिन्ता न करें, तो वह विश्वास से मुकर गया है, और अविश्वासी से भी बुरा बन गया है। **1 तिमुथियस 5:8**

आप का काम

12. एक पिता जो प्रचार करने के निमित्त अपने परिवार को छोड़ देता है

.....अ) परमेश्वर के प्रति गहरा पवित्रीकरण संस्कार दिखा रहा है।

.....ब) उस जिम्मेदारी से जो कि परमेश्वर ने उसे परिवार की देख-भाल करने की दी है गिर रहा है।

उत्तर : 12. ब) उस जिम्मेदारी से जो कि परमेश्वर ने उसे परिवार की देख-भाल करने की दी है गिर रहा है।

अपने बच्चों को परमेश्वर से प्रेम रखना सिखाइये

यदि आप अने बच्चों को परमेश्वर से प्रेम रखना और उसके वचन की आज्ञा पालन करना सिखलायें जबकि वे छोटे ही नहीं हैं तो आप उन्हें और अपने आप को मानसिक व्यथाओं से बचाऐंगे जब कि बड़े होंगे। प्रतिदिन परिवार को परमेश्वर के साथ उस का वचन बाईबल को पढ़ने और प्रार्थना करने में इकत्र कीजिये। प्रत्येक भाग लेने दीजिये। परिवार के प्रत्येक सदस्य की समस्या पर प्रार्थना कीजिये। एक साथ मिलकर परमेश्वर का उसकी आशीषों के लिये धन्यवाद दीजिये।

सन्डे स्कूल और कलीसिया को एक साथ जाइये। अपने बच्चों को प्रोत्साहित करें कि वे अपनी प्रारम्भिक आयु में ही अपना जीवन प्रभु के प्रति अर्पित करें।

ज्यों ही आप मिल कर परमेश्वर की उपासना और उस की सेवा करते हैं, उसका प्रेम पारिवारिक बन्धनों को मजबूत बनाता है। जैसे कि एक कहावत है : "वह परिवार जो एक साथ मिल कर प्रार्थना करता है वह एक साथ मिल कर रहता है।"

> और हे बच्चे वालो अपने बच्चों को रिस न दिलाओ परन्तु प्रभु की शिक्षा और चेतावनी देते हुए, उनका पालन-पोषण करो। **इफिसियों 6:4**

आप का काम

13. इस कहावत में छूटे हुए शब्दों को भरिए : "वह परिवार .....प्रार्थना करता है ....मिल कर रहता है।"

14. यदि आप के एक माता-पिता हैं तो अभी अपने प्रत्येक बच्चे के लिए प्रार्थना कीजिये। आप प्रभु से उनकी सहायता के लिए कहिए। और अधिक धीरज और समझ के लिए प्रार्थना कीजिए।

उत्तर : 13. जो एक साथ मिलकर, वह एक साथ।

अपने परिवार से प्रेम रखिए

"परमेश्वर प्रेम है।" जितना अधिक परमेश्वर का आप में वास

होगा उतना ही अधिक आप अपने परिवार के लिए प्रेम रखेंगे। और जितना अधिक प्रेम आप अपने घर में पायेंगे उतना ही अधिक प्रसन्न वह घर होगा।

आप का काम

15. आप परमेश्वर से इस बात की सहायता मांगें कि आपके परिवार के सदस्य एक दूसरे से और अधिक प्रेम करें।

16. 1 कुरिन्थियों 13 पढ़िये और परमेश्वर से उसकी सहायता के लिए कहिए कि आप इन बातों को अपने घर में लागू कर सकें।